विद्याभवन, बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

विषय- सह-शैक्षणिक कार्य ***दिनांक-23/10/2020***
वर्ग-तृतीय ***वर्ग-शिक्षिका— नीतू कुमारी***

रावण दहन

सुप्रभात बच्चों,

पिछली कक्षा में आपने कहानी का अध्ययन किया। हमें पूर्ण विश्वास है कि आप अध्ययन-सामग्री को पूरे मनोयोग से पढ़ते होंगे। आज आपको रावण दहन के बारे में जानना है। जो कि प्रकार है। :—

रावण लंका का राजा था इसीलिए उसे लंकेश कहा जाता है। अपने दस सिरों के कारण दशानन भी कहा जाता है। वह परम पराक्रमी महर्षि विश्रवा और कैकसी का पुत्र था। रावण के दो भाई कुम्भकर्ण तथा विभीषण और एक बहन सूर्पणखा थी। रावण अपने समय का सबसे बड़ा विद्वान माना जाता है। बाल्यकाल में ही रावण ने चारों वेदों को कंठस्थ कर लिया था। रावण के शासन काल में लंका का वैभव अपने चरम पर था। उसकी लंकानगरी को सोने की नगरी भी कहा जाता है। रावण ने भगवान राम की पत्नी माता सीता का हरण कर लिया था। माता सीता को छुड़ाने के लिए लंका में राम व रावण का युद्ध हुआ। राम ने रावण की नाभि में तीर मारा और रावण मारा गया। रावण की मृत्यु को दशहरा के रूप में मनाया जाता है।

बच्चों, दी गयी अध्ययन-सामग्री को उत्तर-पुस्तिका में लिखें तथा याद करें।